

श्रीः
श्रीमते रामानुजाय नमः
श्रीमते निगमान्तमहादेशिकाय नमः
श्रीगुरुपरनपुराधीशाय श्रीकृष्णाय परब्रह्मणे नमः

श्री मेल्लडुर् नारायणभट्टतिरेः कृतिषु
॥ श्रीमन्नारायणीये षष्ठं दशकम् ॥

This document has been prepared by

Sunder Kidāmbi

with the blessings of

श्री रङ्गरामानुज महादेशिकन्

His Holiness śrīmad āṇḍavan śrīraṅgam

শ্রীঃ

শ্রীমতে রামানুজায় নমঃ

শ্রীমতে নিগমান্তমহাদেশিকায নমঃ

॥ শ্রীমন্নারাযণীয়ে ষষ্ঠং দশকম্ ॥

বিরাভেদহস্য জগদাত্মৎরর্গনম্

এরং চতুর্দশজগন্মযতাং গতস্য

পাতালমীশ তর পাদতলং বদন্তি।

পাদোর্ধ্বদেশমপি দেব রসাতলং তে

গুল্ফদ্বযং খলু মহাতলমদ্ভুতাত্মন্ ॥ 6.1 ॥

জঙ্ঘে তলাতলমথো সুতলং চ জানু

কিঞ্ঝোরুভাগযুগলং ব্রিতলাতলে দ্বে।

ক্ষোণীতলং জঘনমম্বরমঙ্গ নাভি -

ব্রক্ষশ্চ শক্রনিলযস্তর চক্রপাণে ॥ 6.2 ॥

গ্রীরা মহস্তর মুখং চ জনস্তপস্ত

ফালং শিরস্তর সমস্তমযস্য সত্যম্।

এরং জগন্মযতনো জগদাশ্রিতৈর -

প্যন্যৈর্নিবন্ধরপুষে ভগরন্ নমস্তে ॥ 6.3 ॥

ৎরদ্বক্ষরব্রুপদমীশ্বরর ব্রিশ্বরকন্দ

ছন্দাংসি কেশর ঘনাস্তর কেশপাশাঃ।

উল্লাসি চিল্লিযুগলং দ্রুহিণস্য গেহং

পক্ষ্মাণি রাত্রিদিরসৌ সরিতা চ নেত্রে ॥ 6.4 ॥

নিশেষব্রিশ্বররচনা চ কটাক্ষমোক্ষঃ

কর্ণৌ দিশোহশ্রিযুগলং তর নাসিকে দ্বে।

लोडत्रपे च भगवन्नधरोत्तरोष्ठौ
तारागणाश्च दशनाः शमनश्च दंष्ट्रा ॥ 6.5 ॥

माया विलासहसितं श्रसितं समीरो
जिह्वा जलं रचनमीश शकुन्तपङ्क्तिः।
सिद्धादयस्स्वरगणा मुखरङ्गमग्नि -
देरा भुजाः स्तनयुगं त्र धर्मदेरः ॥ 6.6 ॥

पृष्ठं वरधर्म इह देर मनस्सुधांशु -
वर्यङ्गमेर हृदयाश्रुजमश्रुजाङ्ग।
कुम्भिसमुद्रनिरहा रसनं तु सङ्के
शेफः प्रजापतिरसौ वृषणौ च मित्रः ॥ 6.7 ॥

श्रोणीस्थलं मृगगणाः पदयोर्नखास्ते
हस्त्यष्ट्रैस्सैक्वरमुखा गमनं तु कालः।
रिप्रादिरर्णभरणं रदनाञ्जवाह -
चारुरुयुग्मचरणं करुणाश्रुधे ते ॥ 6.8 ॥

संसारचक्रमधि चक्रधर क्रियास्ते
वीर्यं महासुरगणोहस्त्रिकुलानि शैलाः।
नाड्यस्सरिंसमुदयस्तररश्च रोम
जीयादिदं रपुरनिर्चनीयमीश ॥ 6.9 ॥

ऋदृग्जगन्मयरपुस्तर कर्मभाजां
कर्मारसानसमये स्मरणीयमाहः।
तस्यान्तरात्परपुषे रिमलात्तने ते
रातालयाधिप नमोहस्त निरुक्ति रोगान् ॥ 6.10 ॥

॥ इति श्रीमन्नारायणीये षष्ठं दशकं समाप्तम् ॥